हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 30 | देहरादून, मंगलवार, 19 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

स्वतंत्रता सेनानी व जनकवि श्रीराम शर्मा प्रेम हमारी अमूल्य धरोहर : ऋतू खंडूडी भूषण

3

फसल को जंगली जानवर से बचाने के लिए सीड बॉल का प्रयोग जल्द होगा शुरू : सतपाल महाराज

एक दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का पंचायत मंत्री महाराज ने किया शुभारंभ

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं वन अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रुप से पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों के राज्य स्तरीय एक दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में विषय के विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि हम अनुपयोगी भूमि के संवर्धन एवं वृक्षारोपण हेतु किस प्रकार की योजना तैयार कर कम समय में अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

पंचायतों में सतत विकास लक्ष्य के उद्देश्यों को हसिल करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोउन्मुखी एजेंडे को गांव गांव पर पहुंचाने के लिए प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय के सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं वन अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रुप से पंचायत प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों के राज्य स्तरीय एक दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पंचायती राज एवं ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा की हम ऐसे वृक्षों को ग्रामसभा स्तर पर लगाने का प्रयास करें जिनके द्वारा कम समय में उससे अधिक आय हो सके।

उन्होंने कहा कि जल संवर्धन और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने के लिए अनेक प्रजाति के वृक्ष लगाये जा सकता हैं। पंचायत मंत्री ने कहा कि पिरूल से कपड़ा बनाने का कार्य पंचायतें कर सकती हैं।

पानी के स्रोतों को रिचार्ज करने के लिए चाल-खाल को बनाने के लिए मनरेगा के तहत पंचायत स्तर पर कार्य किया जा सकता है।पंचायत मंत्री महाराज ने कहा कि हमें प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना है और इसके लिए हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक खाने से गाय और जंगली जानवरों की जान को भी हमेशा खतरा बना रहता है। इसलिए हमें अन्य विकल्पों की तलाश करनी होगी। उन्होंने कहा कि केमिकल फर्टिलाइजर लगातार मिट्टी की ताकत को समाप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि अनुपयोगी भूमि को उपयोग में लाने के साथ-साथ गांव की आय को किस प्रकार से बढ़ाया जाए इस विषय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह लगातार प्रयासरत हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हम भी लगातार सशक्त विकल्पों की तलाश में लगे हैं। किसानों की फसल को जंगली जानवर हानि न पहुंचाएं इसके लिए सरकार सीड बॉल का प्रयोग करने जा रही है, जिसमें फलों के बीज रखकर उनको विभिन्न माध्यमों से रोपित किया जाएगा। उस रोपित बीज से जब पेड़ों पर फल लगेगें तो जंगली जानवर जंगलों से आबादी की ओर नहीं आ पाएंगे।

इस अवसर पर उत्तराखंड के विभिन्न विकासखंड से आए ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित सचिव पंचायती राज नितेश झा, निदेशक बंशीधर तिवारी, संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ, उप निदेशक मनोज कुमार तिवारी, वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ रेनू सिंह, पानी रखो आंदोलन के प्रणेता सच्चिदानंद भारती, भारतीय ग्रामोत्थान संस्थान के अनिल चंदोला, जलागम परियोजना निदेशक नीना ग्रेवाल और डॉ मनोज पंत आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड में आयुष्मान मतलब निःशुल्क इलाज : डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सूबे के नौनिहालों के लिये आयुष्मान योजना मां का आंचल साबित हो रही है। योजना के तहत नवजात शिशु से लेकर चार वर्ष आयु वर्ग के दस हजार से अधिक बीमार नौनिहालों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध की गई। जिस पर सरकार ने रूपये 32.38 करोड़ खर्च किये। नौनिहालों को बेहत्तर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। उन्हें सेहतमंद और रोग मुक्त रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा ब्लॉक स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि आयुष्मान योजना प्रदेश के नौनिहालों के लिये मां का आंचल साबित हो रही है। नवजात शिशु से लेकर चार वर्ष के आयु वर्ग के नौनिहालों को आयुष्मान का आशीर्वाद बखूबी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत अब तक दस हजार से अधिक बीमार बच्चों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिसमें 1397 बालक एवं 8700 बालिकाएं शामिल है। विभागीय मंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत देहरादून जनपद में 4024, हरिद्वार में 1689, ऊधम सिंह नगर में 1678, टिहरी गढ़वाल में 879, पौड़ी गढ़वाल में 475, उत्तरकाशी में 452, नैनीताल में 306, चमोली में 184, रूद्रप्रयाग में 168, चम्पावत में 98, अल्मोड़ा में 67, पिथौरागढ़ में 62 एवं बागेश्वर में 15 बच्चों का निःशुल्क उपचार किया गया। जिस पर सरकार द्वारा रूपये 32.38 करोड़ खर्च किये गये। उन्होंने बताया कि योजना के तहत विभिन्न अस्पतालों में बच्चों की सांस संबंधी दिक्कतें, जीर्ण दस्त, फ्रेक्चर, डिहाइड्रेशन, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, गंभीर रक्ताल्पता, निमोनिया, बुखार आदि बीमारियों का इलाज कराया गया।

डॉ0 रावत ने बताया कि आयुष्मान योजना प्रत्येक व्यक्ति के लिये संजीवनी का काम कर रही है और बच्चों से लेकर बुजुर्ग इसका लाभ उठा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 47.32 लाख आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं। 5.17 लाख बार लाभार्थियों द्वारा विभिन्न अस्पतालों में निःशुल्क उपचार का लाभ ले चुके हैं। लाभार्थियों के विभिन्न रोगों के उपचार पर रूपये 868 करोड़ खर्च किये जा चुके हैं। डॉ0 रावत ने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने से वंचित रहे गये लोगों के कार्ड बनाये जा रहे हैं ताकि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के दौरान निःशुल्क उपचार उपलब्ध हो सके। इसके अलावा राज्य के विभिन्न अनाथालयों में रह रहे बच्चों के भी आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे जिसके निर्देश राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अधिकारियों को दे दिये गये हैं।

जानिए क्यों कहा जाता है घड़ियाली आंसू मत बहाओ

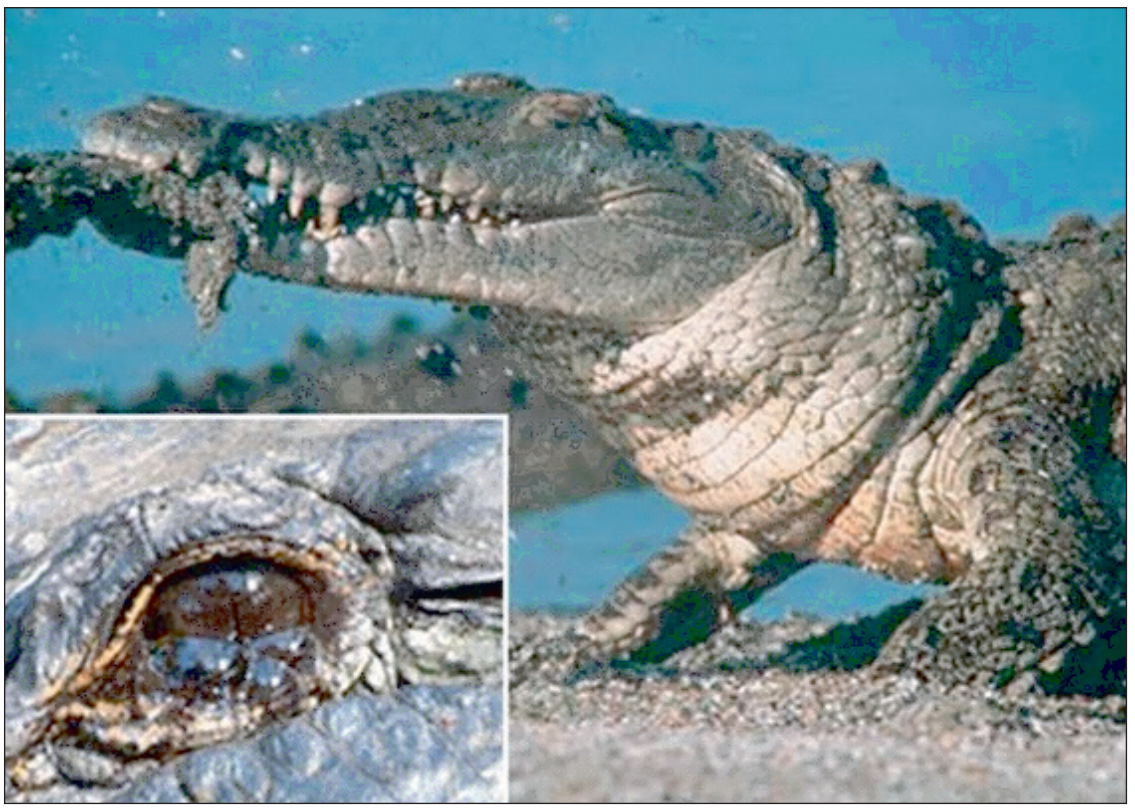

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सालों से ये कहावत बोली जाती है पर क्या कभी आपने सोचा है कि ये कहावत बनी कैसे? जब कोई दिखावे के लिए रोता है, तो उसके रोने को 'मगरमच्छ के आंसू बहाना' कहा जाता है। हमने बचपन से तमाम ऐसे मुहावरे और कहावतें सुनी हैं, जिन्हें हम इस्तेमाल भी धड़ल्ले से करते हैं, लेकिन इसके पीछे की असल वजह नहीं जानते. कुछ ऐसी ही कहावतों में शुमार है – घड़ियाली आंसू बहाना. आखिर घड़ियाल और मगरमच्छ के आंसू में ऐसा क्या खास होता है, जो उन्हीं का नाम झूठे आंसू बहाने के लिए लिया जाता है ? क्या वो हमेशा ही झूठे आंसू बहाते हैं या फिर कुछ और वजह है इस कहावत के पीछे ...

किसी को झूठे आंसुओं से भ्रमित करने के लिए घड़ियाली आंसू कहावत का इस्तेमाल किया जाता है. यूं तो हर प्राणी दुखी होने पर आंखों से आंसू छलकाता है, लेकिन मगरमच्छ और घड़ियाल के आंसू कुछ ज्यादा ही मशहूर हैं. वैज्ञानिकों ने इसे लेकर रिसर्च भी की और इसमें कुछ बातें सामने आईं, जो इस तथ्य को स्पष्ट करती हैं. अगर 'घड़ियाली आंसू' की कहावत है, तो इसके पीछे की खास वजह भी आज जान लीजिए

घड़ियाली आंसुओं पर हुई रिसर्च

वैज्ञानिकों ने इंसान से लेकर जानवरों के आंसुओं पर रिसर्च किया, तो उन्हें पता चला कि सभी के आंसुओं में एक जैसे कैमिकल ही होते हैं और ये टियर डक्ट से बाहर आते हैं. एक खास ग्लैंड से आंसू निकलते हैं और इनमें मिनरल्स और प्रोटीन होते हैं। अमेरिकन टीम ने घड़ियालों पर एक रिसर्च की और उन्हें पानी से दूर सूखी जगह पर खाना दिया गया, तो उनकी आंखों से खाते वक्त आंसू निकलने लगे. उनकी आंखों से बुलबुले और आंसू की धार निकल पड़ी. बायो साइंस में इस स्टडी का परिणाम देते हुए कहा गया कि मगरमच्छ वाकई खाते हुए आंखों से आंसू बहाते हैं, जो किसी भावना का परिणाम नहीं हैं. जब मगरमच्छ के जबड़े में शिकार फंसा होता है और वह उसे चबा रहा होता है तब उसकी आंखों से आंसू निकल रहे होते। दरअसल, यह आंसू नहीं होते बल्कि पानी होता है। मगरमच्छ को शिकार करने में ज्यादा श्रम नहीं करना पड़ता लेकिन उसे चबाने और पचाने में काफी परिश्रम करना पड़ता है। भोजन के दौरान बार-बार हांफने और फुफकारने के कारण उसकी आंखों से पानी निकलने लगता है। इसी पानी को मगरमच्छ के आंसू कहा जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि जब कोई व्यक्ति 'मगरमच्छ के आंसू' कहावत का उपयोग करता है तो यह मान लेना चाहिए कि वह मगरमच्छ के बारे में कुछ नहीं जानता।

Health Tips : नींद की समस्या से जूझ रहे तो भूलकर भी न खाएं ये 5 फ़ूड आइटम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर आप भी इस समस्या से जूझते हैं तो ये खबर आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है। दरअसल रात में बार-बार नींद का उचटना या घंटों नींद का न आना आपकी रात में की गई छोटी सी भूल का नतीजा हो सकती है। डिनर के दौरान ली गई खास चीजें आपकी नींद खराब कर सकती हैं। तो चलिए महविश की इस रिपोर्ट में जानें कि नींद खराब करने वाली ये 5 नुकसानदेह खाद्य सामग्रियां क्या हैं ?

इन 5 फूड्स को आज ही कर दें खुद से दूर –

अल्कोहल - रात को सोने से ठीक पहले अगर आप ये सोच कर अल्कोहल लेते हैं कि उनकी दिनभर की थकान उतर जाएगी और बेहतर नींद आएगी तो अपनी सोच को बदल लें,क्योंकि ऐसा कर के वह अपनी नींद ही नहीं हेल्थ को भी चौपट कर रहे हैं। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक होती है जो वेट गेन और डायबिटीज को बढ़ावा देता है।

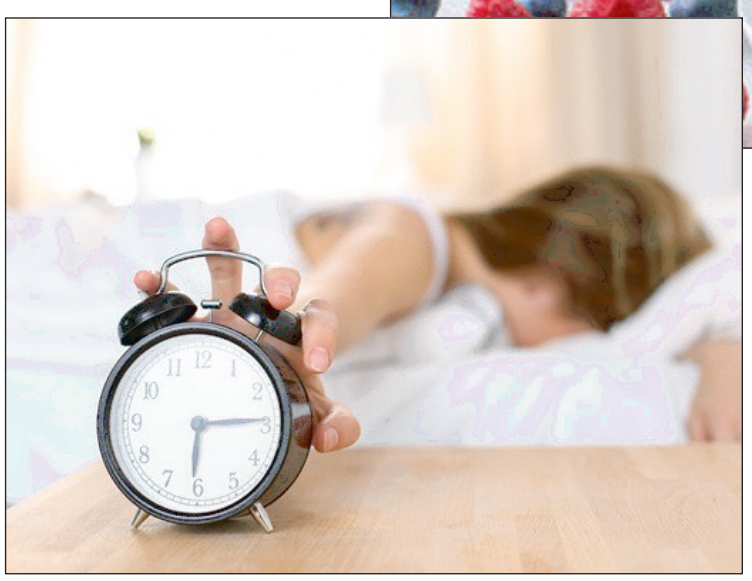

पिज्जा- बर्गर- पिज्जा तो वैसे किसी भी वक्त खाना बेहतर नहीं लेकिन रात में खाना इसे आपके लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। मैदे और कई तरह की सॉस और चीज से मिलकर बना ये पिज्जा हार्टबर्न का कारण होते हैं। वेट और डायबिटीज के साथ हाईबीपी का कारण बन सकता है आपका ये डिनर।

चिप्स और नमकीन - रात में खाने के बाद अगर आपकी आदत चिप्स या नमकीन के साथ चाय पीने की है तो इस आदत को आज ही बदल डालें क्योंकि आपके नींद और हेल्थ के लिए इससे बुरी चीज कुछ और नहीं हो सकती है। इन स्नैक्स में बहुत ही अधिक मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद के पैटर्न को धीमे जहर की तरह बिगाड़ता है। साथ ही हाई बीपी, डायबिटीज और वजन बढ़ने के लिए भी ये जिम्मेदार होता है।

पत्तेदार सब्जियां - वैसे हरी सब्जियां जेसे ब्रोकली या पत्तागोभी खाना सेहत के लिए अच्छा है लेकिन रात के डिनर में इन्हें लेने से बचें क्योंकि ये गैस पैदा करने का कारण होती हैं। इनमें अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट को भरा रखती है और धीरे-धीरे पचता है। इसे खा कर सोने से ये प्रक्रिया और धीमी होती है इससे ये गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं पैदा करने लगती हैं। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी, फूल गोभी, खड़े अनाज आदि इनहें डिनर में खाएं।

रेड मीट -रेड मीट प्रोटीन और आयरन से भरा जरूर होता है, लेकिन ये आपके डिनर के लिए बेहतर विकल्प नहीं है। इसे खाने के बाद सोने से आपको बेचैनी हो सकती है और आपकी नींद खराब।

उम्मीद है ये जानकारी आपके लिए फायदेमंद और लाभकारी साबित होगी। लेकिन ज़रूरत है कि आप डाइटीशियन के सलाह पर अपनी सेहत के लिए गंभीरता से अपनी फ़ूड चार्ट को फॉलो करें।

स्वतंत्रता सेनानी व जनकवि श्रीराम शर्मा प्रेम हमारी अमूल्य धरोहर : ऋतू खंडूडी भूषण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

महान स्वतंत्रता सेनानी व शताब्दी के जनकवि श्री राम शर्मा प्रेम की 44वी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मे विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी व शताब्दी के जनकवि श्रीराम शर्मा प्रेम हमारी अमूल्य धरोहर हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के संदर्भ मे उनका स्वतंत्रता संधर्ष अभूतपूर्व है उनके द्वारा जेल के सलाखों मे लिखी कविताये आज भी याद की जाती हैं ।

विधान सभा अध्यक्ष को स्वतंत्रता सेनानी व शताब्दी के कवि श्री राम शर्मा प्रेम पर आधारित पुस्तक 'अग्नि पुरुष ₹ भेट की गई।

इस अवसर पर जाने माने समाजसेवी व भाजपा उत्तराखण्ड के प्रदेश प्रवक्ता रविन्द्र जुगरान ने बताया कि यह पुस्तक कवि प्रेम के पुत्र जनकवि डा अतुल शर्मा ने लिखी है, उन्होंने बताया कि कवि व स्वतंत्रता सेनानी श्री राम शर्मा प्रेम ने 1942 के दौरान सैन्टर सैकेट्रिएट दिल्ली मे तिंरगा फहरा कर गिरफ्तारी दी और दो साल की कठोर कारावास की सजा भुगती। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आज भी उनके आदर्श पर चल कर प्रेरणा स्रोत बना हुआ है ।

इस अवसर पर जनकवि डा अतुल शर्मा ने बताया कि श्री राम शर्मा प्रेम की दो कविताये गढ़वाल विश्व विद्यालय के हिन्दी द्वितीय वर्ष के कोर्स मे पढाई जाती है -₹ अमर शहीद श्री देव सुमन ₹ व ₹ मसूरी ₹ /उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर सूचना जन संपर्क विभाग की पत्रिका मे गौरवशाली जिक्र है। कहानीकार रेखा शर्मा व कवयित्री रंजना शर्मा ने सूचना दी की अमृत महोत्सव मे वर्ष भर स्वतंत्रता सेनानी कवि श्री राम शर्मा प्रेम की कविताये छात्र छात्राओं तक पहुंचाई जायेगी। जिसकी शुरुआत विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी से हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि कवि श्री राम शर्मा प्रेम के द्वारा लिखा गीत _₹ करो राष्ट्र निर्माण बनाओ मिट्टी से सोना ' देश भर मे गाया जाता है।

शहीद प्रवीन सिंह गुसाईं के परिजनों को हर संभव मदद : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय राइफल्स के शहीद जवान प्रवीन सिंह गुसाईं के परिजनों से सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मुलाकात की है और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. बता दें कि, 2 जून को तड़के प्रवीन सिंह निवासी पुंडोली नैलचामी जम्मू कश्मीर शोपियां में आतंकवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में जुटे थे. इसी दौरान जोरदार विस्फोट होने से प्रवीन गंभीर रूप से घायल हो गए थे. घायल जवान को उपचार के लिये सेना के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, लेकिन उपचार के दौरान प्रवीन ने दम तोड़ दिया था...

आपको याद दिला दें कि जवान प्रवीन सिंह गुसाईं मूल रूप से टिहरी जिले के सीमांत नैलचामी घनसाली के पुंडोली गांव के रहने वाले थे. प्रवीन बीते 23 मई को ही एक माह की छुट्टी पूरी कर अपनी ड्यूटी पर लौटे थे. जो 26 मई को अपनी ड्यूटी पर तैनात हो गए थे, लेकिन एक हफ्ते के भीतर ही उनके घर पर शहादत की खबर आ गई.

विधायक विनोद कंडारी के आवास पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

घनसाली के जाख नैलचामी पहुंचकर सीएम धामी क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी के आवास पर श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में शामिल हुए. इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने चुनाव से पूर्व जो भी वादे किये हैं, उनको पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है. राज्य में एक समान नागरिक कानून लागू किये जाने हेतु समिति गठित की गई है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 8 साल के कार्यकाल में भारत का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ा है. हर क्षेत्र में भारत को एक नई पहचान मिली है.

सरकार के विजन को साकार कर रहे IAS Dr. आर. राजेश कुमार को मुख्यमंत्री देंगे बड़ी ज़िम्मेदारी !

सरकार के भरोसेमंद अफ्सरों में शामिल है IAS डॉ आर. राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इसमें कोई दो राय नहीं है कि उत्तराखंड में आईएएस अफसरों की भारी कमी है। उस पर कमी ऐसे अधिकारियों की भी है जो राज्य सरकार के विजन को साकार करने के लिए दिन रात फील्ड में नजर आते हैं। प्रशासनिक सेवा के आईएएस अधिकारियों के 126 के कैडर के मुकाबले राज्य में सिर्फ 78 आईएएस हैं...

ऐसे में अब मुख्यमंत्री धामी की नज़र ऐसे चुनिंदा आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियाँ देकर मिशन 2025 को सफल बनाने की है जिनकी छवि साफसुथरी, कार्यकुशलता बेहतरीन और प्रशासनिक कौशल तेज़ नतीजे देने की है।

बीते एक पखवाड़े पर नज़र दौड़ाएं तो सीएम धामी की इसी एक्सरसाइज़ ने ब्यूरोक्रेसी और विभागों के अंदर एक खलबली सी मचा दी है। प्रचंड बहुमत पाकर सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार रिजल्ट ओरिएंटेड अधिकारियों को फ्रंट फुट पर बड़ी जिम्मेदारियों से नवाज रहे हैं तो वही गैर जिम्मेदार और लापरवाह अफसरों को किनारे भी लगा रहे हैं।

यही वजह है कि बीते कुछ दिनों में सचिवालय से लेकर जिलों तक आईएएस, पीसीएस और आईपीएस अधिकारियों को बड़े पैमाने पर इधर से उधर कर दिया गया। इस बीच अचानक जब देहरादून के जिलाधिकारी रहे सीनियर आईएएस डॉ आर.राजेश कुमार को देहरादून के जिलाधिकारी पद से हटाते हुए उन्हें प्रतीक्षारत किया गया तो ब्यूरोक्रेसी के अंदरखाने ये चर्चा तेज हो गई है कि सीएम धामी अपने इस बेहद काबिल और जनता के बीच लोकप्रिय हो रहे आईएएस अफसर को अब राज्य स्तर पर किसी बड़ी जिम्मेदारी से नवाज़ने का मन बना चुके हैं।सूत्रों की कानाफूसी और प्रशासनिक हलके की सुर्ख़ियों पर गौर करें तो कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून में अब तक एक शानदार कार्यकाल देने वाले आईएएस डॉ राजेश कुमार की जिन उपलब्धियों से प्रभावित हैं उसमें शामिल है – चार धाम यात्रा के शुरुआती दौर में किए गए बेहतरीन यात्रा प्रबंधन, कोविड गाइडलाइन्स के पालन से लेक सिंगल यूज प्लास्टिक पर चलाए गए अभियान, अतिक्रमण और अवैध खनन पर सीएम धामी के विजन को साकार करने के लिए उठाए गए प्रभावी फैसले, शराब की ओवररेटिंग पर सख्ती और पारदर्शिता से योजनाओं को आगे बढ़ाने काबिलियत, जो आज ब्यूरोक्रेसी में आईएएस डॉ आर. राजेश कुमार की योग्यता के चंद उदाहरण है।इस मामले में जब हमने वरिष्ठ अधिकारियों की राय जानी तो उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मिशन 2025 को सफल बनाने के लिए धामी सरकार भी चाहती है कि जो अधिकारी बेहतर नतीजे दे रहे हैं उनका इस्तेमाल प्रदेश स्तर पर बड़े पद पर किया जाए, जिसके लिए मुख्यमंत्री की नज़र ऐसे अधिकारियों पर है जो शानदार नतीजे देने के लिए जाने जाते हैं। जिसमें आईएएस डॉ आर. राजेश कुमार एकदम फिट बैठते हैं।आपको बता दें कि डॉ राजेश कुमार जितने दिन देहरादून जिलाधिकारी रहे और सीईओ स्मार्ट सिटी की कुर्सी भी संभाली उस दौरान देहरादून में विकास की अभूतपूर्व रफ्तार पकड़ी, जनता की शिकायतों पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने वाले पूर्व डीएम डॉ आर.राजेश कुमार को एक संवेदनशील और त्वरित फैसला लेने वाला प्रशासनिक अधिकारी माना जाता है। अंदर खाने खबर है कि उनकी इसी काबिलियत को अब मुख्यमंत्री धामी पहचानते हुए जल्द किसी बड़े विभाग की जिम्मेदारी दे सकते है।भले ही डॉ राजेश कुमार अभी किसी पद पर नहीं है और देहरादून के जिलाधिकारी के पद पर नई पोस्टिंग हो चुकी है लेकिन लोगों की जुबान पर डॉ आर.राजेश कुमार के कार्यकाल में हासिल की गई उपलब्धियों का चर्चा सुनाई दे रही है।

जब हमने दून वासियों से पूर्व डीएम देहरादून के बारे में राय पूछी तो उन्होंने कहा कि जिस तरह से पदभार ग्रहण करते ही डॉ आर.राजेश कुमार ने सरकारी विभागों में छापेमारी कर कर्मचारियों की ढीली कार्यवाही को चुस्त-दुरुस्त किया, दफ्तरों में कर्मचारियों के समय पर आने के सख्त निर्देश दिए और आईएसबीटी से लेकर सरकारी अस्पतालों तक खुद ग्राउंड रियलिटी को जानने के लिए सुबह से देर रात औचक निरीक्षण का सिलसिला शुरू किया वह आने वाले किसी भी जिलाधिकारी के लिए एक नजीर है।देखना यह होगा कि डॉक्टर आर.राजेश कुमार अपनी बेहतरीन प्रशासनिक क्षमता सरकार की मंशा को समझने की सूझबूझ और जनता के बीच बनाई अपनी लोकप्रिय छवि के साथ सीएम धामी की भरोसेमंद टीम में कब और किस पद पर तैनात किए जाते हैं ? क्योंकि सरकार का यह सकारात्मक फैसला प्रदेश के अन्य काबिल अधिकारियों के हौसले को बढ़ाने और प्रेरित करने वाला साबित होगा।

मुख्यमंत्री धामी ने पदक विजेता फुटबाल खिलाड़ियों को सम्मानित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में नेशनल खेलो मास्टर्स गेम्स की स्वर्ण और काँस्य पदक विजेता फुटबाल खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को उनके अच्छे खेल प्रदर्शन के लिए बधाई दी। खेलो इंडिया के अंतर्गत आयोजित नेशनल खेलो मास्टर्स गेम्स का आयोजन दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स में 30 अप्रैल से 3 मई तक किया गया। जिसमे उत्तराखंड की 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग और 50 वर्ष आयु वर्ग की फुटबाल टीम ने प्रतिभाग किया गया था।

देहरादून फुटबॉल एकेडमी के संस्थापक एवं हेड कोच, खेलो मास्टर्स गेम्स फाउंडेशन ऑफ़ उत्तराखंड के महासचिव विरेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि खेलों क़ो बढ़ावा देने के लिए खेलों इंडिया, फिट इंडिया का अभियान युवाओं क़ो प्रेरित कर रहा है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया अभियान के क्रम में खेलो मास्टर्स गेम्स का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सप्ताह में प्रत्येक सोमवार प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम : सोनिका , डीएम देहरादून

जनता की शिकायतों का निवारण धरातल स्तर पर ही हो : सोनिका डीएम

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलाधिकारी सोनिका एक जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कहा कि सप्ताह में प्रत्येक सोमवार प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को जनसुनवाई कार्यक्रम में पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए, आज आयोजित कार्यक्रम में 20 शिकायतें प्राप्त हुई। आज जनसुनवाई में भूमि, पुलिया निर्माण, पेट्रोल पम्प लगाए जाने, पुस्ते, रोजगार, रास्ते, स्वास्थ्य, लोन माफी आदि से संबंधित प्राप्त हुई।

प्राप्त हुई शिकायतों में शिकायतकर्ता मंगतराम पूर्व प्रधान ग्राम सिलाड़, त्यूनी द्वारा पुलिया निर्माण, मनोज सेलाकुई द्वारा सम्पत्ति पर कब्जा संबंधी शिकायत, रमेश कुमार दत्ता पण्डितवाड़ी द्वारा उनका रास्ता बंद करने संबंधी शिकायत, मायादेवी शास्त्रीनगर अधोईवाला द्वारा लोन माफी, सीता देवी, तेलपुर माफी द्वारा शिकायत की गई वह गर्भवती महिला है उनको दून चिकित्यालय से कोरोनेशन जाने को कहा गया है किन्तु रैफर नहीं किया जा रहा है जिसको गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रकरण को देखते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतें हस्तान्तरण करते हुए शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए तथा जो शिकायतें शासन स्तर की है, उनको निस्तारण के लिए शासन से पत्राचार करें।

जिलाधिकारी सोनिका ने मौके पर ही सभी शिकायतकर्ताओ की समस्याओं को तत्परता से सुना तथा समस्याओं का निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का निवारण धरातल स्तर पर ही हो जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि यदि आम जनमानस के शिकायतें उच्च स्तर तक पहुंचती है तो यह समस्त अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। जिलाधिकारी ने नगर निगम को नालों की नियमित साफ-सफाई तथा पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़कों के गड्ढो की शीघ्र अति शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को कचरे के नियमित निस्तारण के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने तथा जनहित में कार्य प्रणाली में सुधार लाने की अपेक्षा की।

जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी झरना कंमठान, अपर जिलाधिकारी के.के मिश्रा व डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर नगर मजिस्ट्रेट माया दत्त जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज उप्रेती, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लाल बत्ती जंप मत करना वर्ना करीना मैडम आ जाएँगी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने के लिए अक्सर अभियान चलाती रहती हैं। दिल्ली पुलिस ने बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर की फिल्म का एक फेमस डायलॉग इस्तेमाल कर रेड लाइट जंप करने वालों को रोकने की कोशिश की है। लोगों को गाड़ी की रफ्तार और रेड लाइट के नियम को तोड़ने से रोकने के लिए एक वीडियो शेयर किया है।

दिल्ली पुलिस ने एक मजेदार वीडियो अपने ट्विटर पर शेयर किया है, जिसमें हिंदी फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' फिल्म में करीना कपूर के किरदार 'पू' के फेमस डायलॉग की मदद ली गई है। वीडियो में एक तेज रफ्तार कार सड़क पर दौड़ रही है, वीडियो के आखिरी हिस्से में करीना कपूर का डायलॉग जोड़ा गया है, जिसमें वो कहती हैं कि- 'ये कौन है जिसने दोबारा मुड़कर मुझे नहीं देखा।'

ट्रैफिक नियमों को लेकर फिल्मी डायलॉग और बॉलीवुड थीम का इस्तेमाल कई बार ट्रैफिक पुलिस द्वारा किया जाता रहा है। दिल्ली पुलिस के इस वीडियो लेकर जहां कुछ लोग दिल्ली पुलिस की तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कई लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। लोगों को ट्रैफिक पुलिस का ये आइडिया पसंद नहीं आया, क्योंकि डायलॉग में पीछे मुड़कर देखने की बात कही जा रही है। एक यूजर ने लिखा है कि मुझे नहीं पता था कि रेड लाइट क्रॉस करने के बाद पीछे मुड़कर देखना होता है। अगर ऐसा करने में कोई दुर्घटना हुई तो दिल्ली पुलिस जिम्मेदार होगी। वहीं एक और यूजर ने लिखा है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस की जगह शहीदों और शहीदों की विधावाओं की फोटो लगानी चाहिए। कुछ लोग ने इसे बकवास करार दिया तो कुछ लोग तारीफ कर रहे हैं।

सीएम धामी ने किया उत्तरांचल प्रेस क्लब की स्मारिका का विमोचन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में उत्तरांचल प्रेस क्लब की स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की बहुपयोगी जानकारी के साथ ही सरकार द्वारा किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी को आमजन तक स्मारिका के माध्यम से पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया गया है।

उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र अंथवाल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि क्लब की अर्द्धवार्षिक स्मारिका को नई विधानसभा के गठन के मद्देनजर सरकार, विधायकों व पत्रकारों समेत महत्वपूर्ण फोन नंबर को शामिल करते हुए बहुपयोगी डायरेक्टरी का स्वरूप दिया गया है। इसमें उत्तराखंड और इसके जनपदों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां, तीज त्योहारों व क्लब की गतिविधियों आदि को भी शामिल किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम के लिए आमंत्रित भी किया।

इस अवसर पर उत्तराचंल प्रेस क्लब के महामंत्री ओपी बेंजवाल, स्मारिका के संपादक दिनेश कुकरेती, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनमोहन शर्मा, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार, पूर्व अध्यक्ष नवीन थलेड़ी, चेतन गुरूंग, देवेन्द्र सती, उत्तराखंड पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र कण्डारी व प्रेस क्लब मसूरी के पूर्व अध्यक्ष शूरवीर भंडारी, हरीश कोठारी आदि उपस्थित थे

58 की उम्र में मॉडलिंग शुरु कर कर मुक्ता सिंह ने बनाई अपनी पहचान

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर इन्सान की ख्वाइश होती है कि वह अपनी जिंदगी में कुछ अच्छा, कुछ बेहतर करें लेकिन हर कोई अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाता है। कभी परिस्थितियां विपरीत होती हैं तो कभी समय नहीं मिलता और ऐसे ही आहिस्ता-आहिस्ता उम्र गुजरती चली जाती है। लेकिन यदि कोई अपने जीवन में एक मुकाम हासिल करना चाहता है तो उसके लिए उम्र महज एक संख्या बनकर रह जाती है।कुछ ऐसी ही कहानी है गुरुग्राम की रहनेवाली मुक्ता सिंह की, जिन्होंने उस उम्र में नई शुरूआत की जिस उम्र में लोगों की रिटायरमेंट होती है। मॉडलिंग के लिए जहां नए और जवान युवक- युवतियां नजर आते हैं वहीं मुक्ता सिंह ने 58 वर्ष की उम्र में मॉडलिंग शुरु किया था और आज भी इस काम को जारी रखा है।

कई सारी जिम्मेदारियों के बीच नहीं मिला खुद के लिए समय

शादी जिंदगी का एक अहम पड़ाव होता है, क्योंकि शादी के बाद एक नई जिंदगी की शुरूआत होती है और नई-नई जिम्मेदारियां सर पर आ जाती है। एक पायलट से शादी होने के बाद मुक्ता के जीवन में भी बदलाव आया। चूँकि, एक पायलट होने की वजह से अलग-अलग जगहों पर उनके पति का ट्रांसफर होते रहता था। उसके बाद जब उनके बच्चे हो गए तो बच्चों और घर की सभी जिम्मेदारी मुक्ता के सिर पर आ गई। इसके अलावा वह घर अपनी बीमार मां की भी सेवा करती थीं।

कार में मोबाइल छोड़ते हैं, हो जाएं सावधान, हमेशा के लिए बेकार हो सकती है डिवाइस

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ग्लोबल वार्मिंग इंसान के साथ-साथ पूरे ब्रह्मांड को प्रभावित कर रहा है। एक बड़ा प्रभाव रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर भी पड़ रहा है। ऐप्पल और एंड्रॉयड डिवाइस यूज करने के आदी और शौकीन लोगों की कुछ आदतें ऐसी हैं, जिनके कारण उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल, IPhone और Android डिवाइस मौसम की मार झेल नहीं पा रहे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस तरह मौसम बदल रहा है, इस हालात में आपके डिवाइस को स्थायी नुकसान होने की आशंका है। मसलन अगर कार में मोबाइल छूट जाए तो गर्मी के कारण डिवाइस हमेशा के लिए चौपट हो सकती है।

मोबाइल और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यूजर्स के लिए मीडिया की रिपोर्ट में तत्काल चेतावनी जारी की गई है। इसके मुताबिक लंबे समय तक गर्म वातावरण या गर्मी के मौसम में जिस तरह त्वचा को धूप से बचाना महत्वपूर्ण है, उसी तरह फोन को भी गर्मी में सुरक्षा की जरूरत पड़ती है। आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है, लेकिन अत्यधिक तापमान के कारण आईफोन, एंड्रॉयड फोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसी डिवाइस स्थायी रूप से बंद हो सकते हैं। हालांकि, घबराने की जरूरत नहीं। हर परेशानी के सॉल्यूशन की तरह इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी सुरक्षित रखने के कई तरीके हैं।

कोई भी गैजेट एक निश्चित तापमान से अधिक गर्म होने पर खतरनाक हालात में पहुंच जाते हैं। Apple के उत्पाद गर्मी बढ़ने पर चेतावनी जारी करते हैं।हालांकि, खतरा बढ़ने से पहले ही उपकरणों को ठंडा रखने के लिए कदम उठाना जरूरी होता है। Apple डिवाइस गर्म होने पर चेतावनी जारी कर आपकी मदद करते हैं। इन डिवाइस के ऑपरेटिंग सिस्टम में आम तौर पर एक संदेश आता है; इसमें लिखा होता है कि जितनी जल्दी हो सके अपने डिवाइस का उपयोग बंद कर दें, इसे ठंडे वातावरण में ले जाएं (सीधे धूप से दूर) और इसे ठंडा होने दें। ऐसा करने पर आप इसका फिर से इस्तेमाल शुरू कर सकते हैं।

हर ज़िले में अच्छी स्वास्थ्य सुविधा दी जाए : जिलाधिकारी सोनिका

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में चल रहे मुद्दे जैसे कांवड़ यात्रा, बरसात और स्मार्ट सिटी को लेकर जिलाधिकारी सोनिका ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया की 'एक हफ्ते से वह इन्हीं विषय में काम कर रहे है और इसमें वह तत्काल कार्रवाई भी करेंगे। कुछ प्राथमिकताओं है जिनमे में हमेशा से काम करती आए हूँ, जिसमे से एक स्वस्थ विभाग है। स्वस्थ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जीवन में तो मैं चाहूंगी की हर ज़िले में अच्छी स्वास्थ्य सुविधा दी जाए। जिसके लिए आज हमने अधिकारिओ के साथ मीटिंग भी की और उन्ही के सामने उनके ज़िले की शिकायत को सुनाया और इन शिकायतों पर सख्त करवाए करने का आदेश दिया साथ ही अगले हफ्ते फिर मीटिंग रखी जाएगी और इन सब शिकायतों में बातचीत होगी और बताया जाएगा की इन शिकायतों में क्या कार्रवाई की गई।

स्मार्ट सिटी कार्य को लेकर जिलाधिकारी ने कहा 'कुछ प्रमुख समस्या थी जिसकी वजह से ठेकेदारों को काम में समस्या आ रही थी जिसका हमने समाधान निकाल लिया है और उम्मीद है कि ऐसी समस्या दोबारा नहीं आएगी, हम विश्वास दिलाते हैं।

मौसम विभाग औरकांवड़ यात्रा को लेके जिलाधिकारी ने बताया की उन्होंने स्वयं कांवड़ रूट की जांच की है और मेडिकल पोस्ट, स्वच्छ जगह की सुविधा भी दी जा रही है और एक चेक लिस्ट भी जारी की है जिसकी रिपोर्ट आज शाम तक आ जाएगी जो भी कमी होगी उन पर अविषयः सुधार किया जायेगा। मौसम की जानकारी के मुताबिक नदी के किनारे रहने वालो को अलर्ट किया जा रहा है और जल निकास के लिए भी काम किया जा रहा है।

इ-फाइलिंग व्यवस्था बनाने की ज़रूरत : सोनिका, डीएम दून

जिलाधिकारी सोनिका ने कलैक्ट्रेट कर्मचारियों के साथ शिष्टाचार बैठक की। बैठक में उन्होंने अपेक्षा करते हुए कहा कि कलैक्ट्रेट की कार्यप्रणाली में और अधिक प्रभावी एवं सुधार पूर्वक व्यवस्था बनानी है, इसके लिए पारदर्शिता के साथ ही प्रकरणों के त्वरित निस्तारण करने की अपेक्षा है। उन्होनें इ-फाइलिंग व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। साथ कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता व समयबद्धता पर विषेश ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कलेक्ट्रेट में आने वाले आम जनमानस की सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। लोगों की समस्याओं का निस्तारण तेजी से एवं प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए, जनता की दृष्टि में कलेक्ट्रेट की छवि सहयोगात्मक तथा मददगार की होनी चाहिए।

संपादकीय

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा

हमारा देश दुनिया का दवाखाना कहा जाता है. वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 24.4 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया था, जो 2020-21 की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक था. दवाओं की मात्रा के हिसाब से भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है. केंद्र सरकार निर्यात बढ़ाने के साथ देश की स्वास्थ्य सेवा की बेहतरी के लिए भी प्रयासरत है. सस्ते और अच्छे इलाज के लिए कई देशों से मरीज भी भारत आते हैं. 'मेडिकल टूरिज्म' (चिकित्सा पर्यटन) के नाम से ख्यात इस सेवा क्षेत्र के विस्तार पर भी सरकार ने ध्यान देना शुरू किया है. आकलनों की मानें, तो इस क्षेत्र का वैश्विक बाजार 60 से 80 अरब डॉलर का है. स्वास्थ्य संबंधी अन्य सेवाओं का बाजार तो 640 अरब डॉलर के आसपास है. हमारे अस्पतालों और चिकित्सकों के प्रति अन्य देशों के लोगों के भरोसे को इस आंकड़े से समझा जा सकता है कि 2019 में 6.97 लाख लोग उपचार के लिए भारत आये थे. उस साल भारत पहुंचे कुल विदेशी पर्यटकों में से 6.4 प्रतिशत उपचार के उद्देश्य से आये थे. उसके बाद के दो साल दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में थी, तो रोगियों का आना बहुत मुश्किल हो गया था. इसके बावजूद 2020 में 1.83 लाख लोग स्वास्थ्य सेवा के लिए भारत पहुंचे थे. जहाजों की आवाजाही बहाल होने से यह उम्मीद बंधी है कि अब बड़ी संख्या में लोग हमारे अस्पतालों में आयेंगे. सरकार ने ऐसे लोगों को सहूलियत मुहैया कराने की दिशा में अनेक कदम उठाये हैं. वीजा और अन्य दस्तावेजों को हासिल करना आसान बनाने के साथ एक विशेष कार्यक्रम 'हील इन इंडिया' (भारत में स्वास्थ्य लाभ करें) की शुरुआत की गयी है. इसके अलावा, मेडिकल टूरिज्म की परिभाषा को विस्तार देते हुए इसमें आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को भी जोड़ा गया है. स्वास्थ्य मंत्रालय अन्य कई मंत्रालयों, जैसे- पर्यटन, नागरिक उड्डयन, वाणिज्य, आयुष आदि, को भी इस अभियान में सक्रियता से जोड़ा है. विदेशों से स्वास्थ्य सेवा हासिल करने के लिए आ रहे लोगों को हर तरह से सुविधाएं और संसाधन मिल सकें, इसे सुनिश्चित करने के लिए कुछ राज्य सरकारों और अस्पतालों का भी सहयोग लिया जा रहा है. आम तौर पर वीजा लेने की प्रक्रिया कुछ जटिल होती है और कई बार इसमें देरी भी होती है. बीमार व्यक्ति के लिए इससे समस्याएं बढ़ सकती हैं. इसके समाधान के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय एक विशेष आयुष वीजा श्रेणी बनाने जा रहा है. इससे यह जान पाना भी आसान हो जायेगा कि कितने लोग किस तरह की सेवाओं के लिए भारत आ रहे हैं. मेडिकल टूरिज्म में नियमन न होने, बिचौलियों के प्रभाव, बीमा संबंधी समस्याओं, आयुष सुविधाओं को बाहर मान्यता न होने जैसी बाधाओं से क्षेत्र का विकास अवरुद्ध है. इन खामियों को दूर कर हम बहुत अधिक संख्या में विदेशियों को आकर्षित कर सकते हैं. केंद्र सरकार की व्यवस्थित पहल से समाधान की आशा की जा सकती है.

संभागीय परिवहन अधिकारी देहरादून दिनेश चंद्र पठोई का सस्पेंशन वापस, ये था मामला

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आखिरकार जैसा कि संभावना जताई जा रही थी सीएम धामी की छापेमारी में नदारद मिले तत्कालीन संभागीय परिवहन अधिकारी देहरादून दिनेश चंद्र पठोई का सस्पेंशन वापस ले लिया गया है. इसको लेकर सचिव परिवहन की तरफ से आदेश भी जारी हो गया है. मतलब ये है कि दिनेश चंद्र पठोई को चल रही विभागीय जांच में क्लीन चिट मिल गयी है, जिसके बाद उनकी बहाली के आदेश जारी कर दिए गए हैं.

आपको यहाँ बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 18 मई को देहरादून आरटीओ दफ्तर पर छापा मारा था. इस दौरान तत्कालीन आरटीओ रहे दिनेश चंद और यहां मौजूद कई कर्मचारी गैरहाजिर मिले थे, जिसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आरटीओ दिनेश चंद्र पठोई को सस्पेंड करने के आदेश दिए थे. वहीं, बाकी कर्मचारियों की भी तनख्वाह काटने के निर्देश दिए गए थे

सभी तरह से जांच के बाद स्थितियों में दिए गए तर्क की पुष्टि हो जाने के बाद परिवहन सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी की तरफ से दिनेश चंद्र पठोई की बहाली के आदेश जारी कर दिए गए. कार्यालय में पाई गई कुछ कमियों पर चेतावनी देते हुए पठोई को तत्काल सेवा में बहाल किए जाने का आदेश दिया गया है. पठोई बहाली के तहत अग्रिम आदेशों तक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन के पद पर तैनात रहेंगे.

भाजपा सरकार ने रोडवेज किराये में वृद्धि कर गरीब जनता को दिया मंहगाई का तोहफा : कांग्रेस

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोडवेज बसों तथा अन्य ट्रांस्पोर्ट के बढे हुए किराये के विरोध में आइएसबीटी स्थित रोडवेज बस अड्डे में प्रदर्शन करते हुए बढा हुआ किराया कम करने की मांग की। कार्यक्रम में बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर महानगर कांग्रेस ने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार के परिवहन मंत्री बयान देते हैं कि बसों का किराया नहीं बढने दिया जायेगा पर शायद वे अपनी ही सरकार के निर्णय से अनभिज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह भी साबित होता है कि भाजपा के नेता व सरकार में बैठे मंत्री भी जनता को झूठ बोलकर भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा है कि प्रचण्ड बहुमत वाली भाजपा सरकारों ने जनता को चुनावी लाभ के लिए केवल भ्रमित करने का काम किया। भाजपा सरकार की अभी तक के कार्यकाल की उपलब्धियों में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस सिलेण्डर, खाद्यय पदार्थों की कीमतों तथा अब जनता के आवागमन के साधन रोडवेज बसों के किराये में बेताहाशा वृद्धि के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज मंहगाई अपने चरम पर है तथा आम आदमी को दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करना पड रहा है। रोज-रोज बढती मंहगाई से देश व प्रदेश की जनता पीड़ित हो चुकी है।

भारी बारिश की संभावना पर मुख्य सचिव ने दिए अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने उत्तराखण्ड के विभिन्न हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा के दृष्टिगत कमिश्नर गढ़वाल एवं कुमाऊं सहित सभी जिलाधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाते हुए आने वाली चुनौती के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने भारी बारिश की सम्भावना को देखते हुए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता बरते जाने एवं सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के भी निर्देश दिए हैं।मुख्य सचिव ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र एवं सभी जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों में सभी विभागों द्वारा सक्षम स्तर के नोडल अधिकारियों को तैनात किए जाने के निर्देश दिए ताकि आपदा जैसी परिस्थितियों में नोडल अधिकारी निर्णय लेने एवं निर्देश देने हेतु अधिकृत हों।

मिनिमम रिस्पाँस टाईम किया जाए सुनिश्चित : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने पूरे मानसून काल में आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर सडकें टूटने अथवा धंसने की स्थिति में सडकों पर यातायात सुचारू करने हेतु जेसीबी एवं पौकलैण्ड मशीनें तैनात किए जाने के निर्देश दिए हैं ताकि आम जनता को आवागमन मे कोई परेशानी का सामना ना करना पडे।.उन्हांने पेयजल व विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे मानसून के दौरान विद्युत एवं पेयजल सूचारू रखने हेतु दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे अभी से उपकरण अथवा सामग्री स्टोर करें ताकि मानसून के दौरान विद्युत एवं पेयजल बाधित होने पर तत्काल सुचारू किया जा सके।

नदियों एवं बैराजों के जलस्तर पर रखी जाए पैनी नजर

मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिये कि वे वर्षाकाल में नदियों व बैराजों के जलस्तर पर पैनी नजर रखने के साथ ही बाढ़ चौकियों को सक्रिय करते हुये नदियों का जलस्तर बढ़ने पर चेतावनियां एवं मुनादी आदि जारी करने हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए ताकि जानमाल की हानि को रोका जा सके। उन्होंने सभी राजस्व उपनिरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों को भी अपने-अपने कार्यस्थलों में बने रहने हेतु निर्देशित किया है। साथ ही, सभी चौकियों एवं थानों में भी आपदा सम्बन्धी उपकरणों एवं वायरलैस सहित हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

खाद्यान्न एवं संचार की समुचित व्यवस्था की जाए सुनिश्चित

मुख्य सचिव ने वर्षाकाल के दौरान अथवा आपदा जैसी परिस्थितियों हेतु चिन्हित खाद्यान्न गोदामों में खाद्यान्न की समुचित मात्रा की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने आपदा के दृष्टिगत दुर्गम स्थलों में दूरसंचार व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु एस०डी०आर०एफ० द्वारा उपलब्ध कराए गए सैटेलाइट फोन्स को भी एक्टिव रखने हेतु निर्देश दिए। साथ ही, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाईयों एवं आवश्यकत उपकरणों की समुचित मात्रा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने जनसामान्य से भी अपील की है कि भारी बारिश की सम्भावना को देखते हुए अत्यधिक आवश्यक होने पर ही बाहर निकलें। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी चारधाम यात्रा एवं कांवड़ यात्रा पर मौसम के अनुसार ही निकलने की सलाह दी है।

खेलों को बढ़ावा देने के लिये हरियाणा और उत्तराखण्ड बनेंगे सहयोगी : अभिनव कुमार

मुख्यमंत्री एवं खेलमंत्री के निर्देश पर राज्य के विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने खेल विभाग के अधिकारियों के साथ हरियाणा के अधिकारियों से किया विचार विमर्श

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा खेल मंत्री रेखा आर्य के निर्देशानुसार पंचकुला स्थित खेल विभाग, हरियाणा के मुख्यालय में हरियाणा राज्य में संचालित विभिन्न खेल योजनाओं की जानकारी के सम्बन्ध में हरियाणा राज्य के अधिकारियों के साथ उत्तराखण्ड राज्य के खेल विभाग के अधिकारियों द्वारा बैठक आहूत की गयी।

बैठक में उत्तराखण्ड राज्य की ओर से विशेष प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड अभिनव कुमार, निदेशक, खेल गिरधारी सिंह रावत, संयुक्त निदेशक खेल डॉ० धर्मेन्द्र प्रकाश भट्ट, एवं हरियाणा राज्य की ओर से निदेशक खेल पंकज नैन, आई०पी०एस० एवं अपर निदेशक खेल विवेक पदम सिंह द्वारा प्रतिभाग किया गया। हरियाणा राज्य में संचालित खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षकों की तैनाती खेल अवस्थापना सुविधाओं का विकास एवं उनका अनुरक्षण, खेल नर्सरियों की स्थापना, खिलाड़ियों के कल्याणार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ खेलों में उच्च प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राजकीय सेवा में नियुक्ति दिये जाने सम्बन्धी प्रक्रिया पर हरियाणा राज्य की ओर से प्रस्तुतिकरण दिया गया एवं उस पर विस्तार से चर्चा की गयी।

विशेष प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड द्वारा राज्य की नई खेल नीति एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी हरियाणा राज्य की ओर से सुझाव दिया गया कि छात्रवृत्ति के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर खेल नर्सरियां विकसित की जाए जिससे स्थानीय स्तर पर किशोर-किशोरियों को खेल सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त हो सके एवं वे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हेतु तैयार हो सके। बैठक के पश्चात उत्तराखण्ड के अधिकारियों द्वारा ताऊ देवी लाल खेल परिसर, पंचकुला का भी निरीक्षण किया गया एवं अवस्थापना सुविधाओं एवं उनके संचालन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी।

■ दोनों राज्यों के अधिकारियों ने साझा की अपनी-अपनी कार्ययोजना।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा